श्री रामावतार शर्मा :
श्री ब्रात्म दास :
श्री महन्त दिग्विजय नाथ :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय खाद्य निगम ने दिल्ली में मैदे और सूजी के वितरण का काम 12 जुलाई, 1967 से दिल्ली प्रशासन को सौंप दिया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि खाद्य निगम ने दिल्ली प्रशासन के साथ सलाह किये बिना ही 12 जुलाई और 19 जुलाई, 1967 के बीच की अवधि में दिल्ली में अनेक बड़ उपभोक्ताओं को सीधे ही ये वस्तुएं दे दी थीं, और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अण्णा साहिब शिन्दे) : (क) जी नहीं। दिल्लीके राशन वाले क्षेत्र में 12 जुलाई, 1967 से मैदा और सूजी राशन वाली वस्तुएं घोषित कर दी गयी थीं। अत: उस तारीख से इन वस्तुओं के वितरण की जिम्मेदारी दिल्ली प्रशासन की हो गयी थी। भारतीय खाद्य नगम का दिल्ली प्रशासन को इन वस्तुओं के वितरण का कार्यभार सौंपने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(ख) जी नहीं। तथापि, अधिक खपत करनेवाले कुछ उपभोक्ताओं ने 12 जुलाई के बाद रोलर आटा मिलों से मैदा और सूजी प्राप्त की थी। इस संबंध में भारतीय खाद्य निगम 12 जुलाई, 1967 से पहले निकासी आदेश जारी किये थे।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

Seed Farms in Punjab

*1669. **Shri Madhu Limaye:**
Shri S. M. Banerjee:
Shri George Fernandes:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri S. M. Joshi:
Shri Kameshwar Singh:
Shri Nihal Singh:
Shri Sheopujan Shastri:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to convert 10,000 acres of waste land into a seed farm in Punjab with the help of the World Bank;

(b) whether this farm will be in the public sector or will be leased to the Birla Institute Farm;

(c) whether there is also a proposal to set up a public sector seed farm with the help of the Centre in Punjab; and

(d) if so, the details of the proposals referred to in parts (a) and (c) above?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) There is no such proposal under consideration at present.

(b) Does not arise.

(c) and (d). A proposal for setting up a Central State Farm in the Punjab on the lines of the Suratgarh farm, is under consideration.

न्यायालयों का कार्य प्रादेशिक भाषाओं में करवाया जाना

*1670. **श्री विभूति मिश्र :**
श्री क० ना० तिवारी :

क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 14 अप्रैल,